(6) इस्पात संयंत्रों के प्रयोग के लिए कोककर कोयले की धुलाई के लिए नई वाशरियों की स्थापना किया जाना ।

(7) कोयला क्षेत्रों से 1000 कि० मी० से अधिक की दूरी पर स्थित कुछ विद्युत गृहों के लिए परिष्कृत कोयले की आपूर्ति किए जाने के लिए कोयला परिष्करण परियोजनाओं की स्थापना किया जाना ।

(8) हाल ही में, एक कानून भी बनाया गया है, जिसके अंतर्गत निजी पार्टियों द्वारा कोयले का परिष्करण किए जाने की अनुमति प्रदान की गई है ।

Protection of domestic coal industry and coal workers

4276. SHRIMATI KAMLA SINHA : Will the Minister of COAL be pleased to state :

(a) whether it is a fact that Coal India Limited has the capacity to produce enough quantities of coal required for domestic consumption ;

(b) whether the very infrastructure of the coal industry is threatened by the proposed liberalisation of the import of coal ; and

(c) if so, what steps does the Government intend to take to protect the domestic coal industry and the employment of coal workers ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA) : (a) Coal India Limited (CIL) has registered significant improvements in both coal production and coal off-take. It is estimated that the likely production and accumulated stocks with the indigenous coal companies may be adequate to meet the non-cooking coal requirements of the country up to the end of the Eighth Plan period.

(b) and (c) With the recent reduction of import duly on non-cooking coal from 85% to 35%, the landed cost of imported coal at some thermal power stations near the ports may be lower than the landed cost of indigenous coal. Some other consumers may also resort to coal imports. These quantities however may not be very substantial when compared to overall demand.

Following are some of the steps being taken by Coal India Limited to meet the competition from imported coal :—

(1) Ensuring adequate and timely supply of coal to consumers.

(2) Setting up feeder breakers and coal handling plants for proper sizing and ensuring supply of coal free from extraneous materials.

(3) Encouraging washeries for non-cooking coal in the private as well as public sectors to ensure improved and consistent quality of coal supplies.

मध्य प्रदेश के शहडोल जिले की कोयला खदानों में दुर्घटनाएं

4277. **श्री राधवजी** : क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1993-94 के दौरान मध्य प्रदेश के शहडोल जिले की कोयला खदानों में कितने श्रमिक दुर्घटनाओं में मरे हैं ;

(ख) प्रत्येक मृतक के परिवार को खदान मालिक द्वारा कितनी राशि सहायता के रूप में दी जा चुकी है; और

(ग) मृतक के परिवार को कितनी सहायता राशि दिया जाना शेष है और वह कब तक दे दी जाएगी ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) से (ग) वर्ष 1993-94 के दौरान मध्य प्रदेश के शहडोल जिले की कोयला खानों में दुर्घटना में 10 कामगारों की मृत्यु हुई थी । प्रत्येक मृतक के नाम सहित आश्रितों को दी गई सहायता की राशि का ब्योरा नीचे दिया गया है :—

(रूपए में)

मृतक का नाम	अनुग्रह की राशि	मुआवजे की राशि	विशेष अनुग्रह की राशि
सुखलाल	10,000	78,824	—
जगदीश प्रसाद . . .	10,000	84,716	—
मतय्या	10,000	75,824	—